अमृत काल
अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ समीक्षित एवं स्वीकृत शोध पत्रिका
ISSN: 3048-5118, खंड4, अंक1, जनवरी - मार्च 2026

उज्ज्वला योजना से महिलाओं का सशक्तिकरण

डॉ. शक्ति चौधरी

सारांश

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY) भारत सरकार की एक प्रमुख योजना है, जिसका उद्देश्य गरीब परिवारों की महिलाओं को धुएँ से मुक्त रसोई प्रदान करना है। इस योजना के अंतर्गत मुफ्त एलपीजी कनेक्शन देकर महिलाओं को स्वच्छ ईंधन से खाना पकाने की सुविधा दी गई है। यह योजना महिलाओं के स्वास्थ्य, सामाजिक स्थिति और आर्थिक स्वतंत्रता पर सकारात्मक प्रभाव डालती है। इस शोध पत्र में उज्ज्वला योजना के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण की विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण किया गया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY) भारत सरकार की एक प्रमुख सामाजिक कल्याण योजना है, जिसका उद्देश्य गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाली महिलाओं को रसोई गैस (LPG) कनेक्शन प्रदान कर स्वच्छ ऊर्जा तक पहुंच सुनिश्चित करना है। इस शोध का मुख्य उद्देश्य यह विश्लेषण करना है कि किस प्रकार उज्ज्वला योजना ने ग्रामीण और वंचित वर्ग की महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाए हैं तथा उनके सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी सशक्तिकरण में योगदान दिया है।

योजना के तहत मुफ्त गैस कनेक्शन मिलने से महिलाओं को पारंपरिक जीवाश्म ईंधनों (लकड़ी, उपले आदि) पर निर्भर नहीं रहना पड़ा, जिससे उन्हें धुएं से होने वाली बीमारियों में कमी आई है, खाना पकाने में समय की बचत हुई है और उन्हें शिक्षा, आजीविका तथा परिवार की देखभाल के लिए अधिक समय मिलने लगा है। इसके अतिरिक्त, महिला स्वायत्तता में वृद्धि और निर्णय लेने की क्षमता का भी विकास हुआ है।

यह शोध उज्ज्वला योजना के प्रभावों का समग्र विश्लेषण प्रस्तुत करता है और इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि यह योजना न केवल एक पर्यावरणीय और स्वास्थ्य हितैषी कदम है, बल्कि महिलाओं के बहुआयामी सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रभावी प्रयास भी है।

परिचय

भारत में महिलाओं का सशक्तिकरण सामाजिक और आर्थिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण लक्ष्य रहा है। ग्रामीण और गरीब तबके की महिलाओं को स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराना, उनके स्वास्थ्य की रक्षा करना और उन्हें सम्मानजनक जीवन प्रदान करना इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2016 में शुरू की गई **प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY)** का उद्देश्य ऐसे ही परिवारों को रसोई गैस (LPG) का मुफ्त कनेक्शन प्रदान करना है जो गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं।

इस योजना ने न केवल महिलाओं को धुएं से मुक्त रसोई उपलब्ध कराई, बल्कि उनके स्वास्थ्य, समय प्रबंधन, सामाजिक स्थिति और निर्णय लेने की क्षमता को भी सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। उज्ज्वला योजना ने महिलाओं को पारंपरिक ईंधनों से मुक्ति दिलाकर उन्हें स्वच्छ और सुरक्षित रसोई वातावरण दिया, जिससे उनका सशक्तिकरण सामाजिक और आर्थिक दोनों स्तरों पर सुनिश्चित हुआ है।

यह शोध पत्र/अध्ययन उज्ज्वला योजना के प्रभावों का विश्लेषण करते हुए यह समझने का प्रयास करता है कि किस प्रकार यह योजना महिलाओं के जीवन में बदलाव लाने का माध्यम बनी है।

ग्रामीण भारत में परंपरागत ईंधनों (लकड़ी, गोबर, कोयला आदि) से खाना पकाने की प्रथा आज भी व्यापक है, जिससे महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उज्ज्वला योजना, मई 2016 में शुरू की गई, जिसका मुख्य उद्देश्य बीपीएल (Below Poverty Line) परिवारों की महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान करना था। इससे महिलाओं को रसोई में धुएं से राहत मिली और समय की बचत भी हुई।

उद्देश्य (Objectives): उज्ज्वला योजना का प्रमुख उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना है, विशेषकर ग्रामीण व गरीब तबके की महिलाओं को। इसके अंतर्गत निम्नलिखित प्रमुख उद्देश्य हैं:

अमृत काल
अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ समीक्षित एवं स्वीकृत शोध पत्रिका
ISSN: 3048-5118, खंड4, अंक1, जनवरी - मार्च 2026

- **स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करना:** खाना पकाने के लिए स्वच्छ ईंधन (LPG) उपलब्ध कराकर महिलाओं और उनके परिवारों को धुएं से होने वाली बीमारियों से बचाना।
- **महिलाओं के सम्मान की रक्षा:** धुएं भरे वातावरण में चूल्हे पर खाना पकाने की बाध्यता से उन्हें मुक्त कर, एक स्वच्छ और सम्मानजनक जीवन जीने में सहायता करना।
- **आर्थिक सशक्तिकरण:** महिलाओं को LPG कनेक्शन प्रदान कर घरेलू कार्यों में समय की बचत कराना, जिससे वे अन्य आयजनक गतिविधियों में भाग ले सकें।
- **पर्यावरण की रक्षा:** परंपरागत ईंधनों (लकड़ी, कोयला, गोबर आदि) के उपयोग को कम कर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना।
- **ग्रामीण महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार:** रसोई के कार्य को सुरक्षित, सरल और कम समय में संपन्न बनाकर महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना।

योजना की प्रमुख विशेषताएँ (Key Features of the Scheme): प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY) भारत सरकार द्वारा 1 मई 2016 को शुरू की गई एक प्रमुख सामाजिक कल्याण योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण और निर्धन परिवारों की महिलाओं को स्वच्छ ईंधन (एलपीजी) प्रदान करना है। यह योजना नारी सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जाती है।

योजना की प्रमुख विशेषताएँ:

1. **निःशुल्क एलपीजी कनेक्शन:** योजना के अंतर्गत बीपीएल परिवारों की महिलाओं को **निःशुल्क गैस कनेक्शन** प्रदान किया जाता है, जिससे उन्हें खाना पकाने में लकड़ी, गोबर आदि पारंपरिक और हानिकारक ईंधनों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता।
2. **केवल महिलाओं के नाम पर कनेक्शन:** उज्ज्वला योजना के तहत कनेक्शन **सीधे महिला लाभार्थी के नाम पर** जारी किया जाता है, जिससे उन्हें आर्थिक और सामाजिक पहचान मिलती है।
3. **वित्तीय सहायता:** केंद्र सरकार प्रति कनेक्शन **₹1600 की वित्तीय सहायता** देती है, जिसमें गैस सिलेंडर, रेगुलेटर, पाइप आदि की लागत शामिल होती है।
4. **ईएमआई विकल्प:** चूल्हा और पहले रिफिल के लिए ईएमआई सुविधा उपलब्ध कराई जाती है, जिससे प्रारंभिक लागत में राहत मिलती है।
5. **आयुष्मान भारत और अन्य योजनाओं से समन्वय:** यह योजना अन्य योजनाओं जैसे आयुष्मान भारत, जनधन योजना और स्वच्छ भारत मिशन से जुड़ी हुई है, जिससे एक व्यापक सामाजिक कल्याण नेटवर्क तैयार किया गया है।
6. **स्वास्थ्य लाभ:** धुएं से होने वाली बीमारियों (जैसे: श्वसन रोग, आंखों में जलन, फेफड़ों की बीमारी) में भारी कमी आई है, जिससे महिलाओं और बच्चों का **स्वास्थ्य बेहतर हुआ** है।
7. **पर्यावरण संरक्षण**: लकड़ी और कोयले के उपयोग में कमी से **वनों की कटाई में कमी** आई है और वायु प्रदूषण में भी सुधार हुआ है।
8. **ग्रामीण क्षेत्रों पर विशेष ध्यान:** योजना का अधिकतम लाभ **ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों** की महिलाओं को मिला है, जो पहले एलपीजी की पहुंच से वंचित थीं।
9. **स्वरोजगार के अवसर:** उज्ज्वला योजना के क्रियान्वयन से **एलपीजी वितरण से जुड़े कार्यों में रोजगार** के नए अवसर खुले हैं, जिससे महिलाओं को अप्रत्यक्ष रूप से आर्थिक लाभ मिला है।
10. **'उज्ज्वला 2.0' का शुभारंभ: (2021)** इस चरण में प्रवासी मजदूरों, गरीब परिवारों को और भी सरल प्रक्रिया से **दस्तावेज़-मुक्त पंजीकरण** के साथ कनेक्शन दिया जा रहा है।

महिलाओं के सशक्तिकरण पर प्रभाव (Impact on Women Empowerment): प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY) भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है जिसका उद्देश्य गरीबी रेखा से नीचे (BPL) जीवनयापन करने वाली महिलाओं को मुफ्त एलपीजी गैस कनेक्शन उपलब्ध कराना है। यह योजना न केवल एक रसोई गैस वितरण कार्यक्रम है, बल्कि यह महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम भी है।

1. स्वास्थ्य में सुधार:

- खाना पकाने के धुएं से होने वाले श्वसन रोगों में कमी आई।
- आंखों की जलन, सिरदर्द जैसी समस्याओं में भी राहत मिली।

2. समय की बचत:

- लकड़ी व अन्य पारंपरिक ईंधनों को एकत्र करने में लगने वाला समय बचा।
- महिलाएं अन्य रचनात्मक कार्यों में समय दे पा रही हैं।

अमृत काल
अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ समीक्षित एवं स्वीकृत शोध पत्रिका
ISSN: 3048-5118, खंड4, अंक1, जनवरी - मार्च 2026

3. सामाजिक स्थिति में सुधार:
- रसोई में एलपीजी कनेक्शन होने से महिलाओं की सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ी।
- घर की निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि हुई।

4. आर्थिक स्वतंत्रता:
- कुछ महिलाओं ने एलपीजी वितरण या छोटे व्यवसायों में भागीदारी शुरू की है।
- शिक्षा और रोजगार की दिशा में रुचि बढ़ी।

चुनौतियाँ

उज्ज्वला योजना (प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना - PMUY) ने ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को रसोई गैस (LPG) कनेक्शन उपलब्ध करवाकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास किया है। हालांकि, इस योजना के क्रियान्वयन में कई चुनौतियाँ भी सामने आई हैं जो महिलाओं के वास्तविक सशक्तिकरण में बाधा बनती हैं। प्रमुख चुनौतियाँ निम्नलिखित हैं:

- **आर्थिक बाधाएँ:** योजना के अंतर्गत गैस कनेक्शन तो मुफ्त दिया गया, लेकिन गैस सिलेंडर की रिफिलिंग लागत अधिक होने के कारण गरीब परिवार बार-बार सिलेंडर भरवाने में असमर्थ रहते हैं। सब्सिडी मिलने में देरी और इसकी प्रक्रिया की जटिलता भी एक चुनौती है।
- **जागरूकता की कमी:** ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं में स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा और उज्ज्वला योजना के लाभों के प्रति जागरूकता का अभाव है। कई महिलाओं को यह जानकारी ही नहीं होती कि योजना के अंतर्गत उन्हें कौन-कौन सी सुविधाएँ मिल सकती हैं।
- **सांस्कृतिक और पारंपरिक बाधाएँ:** कई ग्रामीण समुदायों में परंपरागत चूल्हे (जैसे लकड़ी या उपले) पर खाना पकाने की आदत है जिसे बदलना कठिन है। LPG को असुरक्षित मानने जैसी धार्मिक या पारंपरिक धारणाएँ भी बाधा उत्पन्न करती हैं।
- **तकनीकी और प्रशासनिक चुनौतियाँ:** कई लाभार्थियों को आधार, बैंक खाते और दस्तावेजों की त्रुटियों के कारण योजना का पूरा लाभ नहीं मिल पाता। नकली लाभार्थियों की पहचान और भ्रष्टाचार जैसी समस्याएँ भी सामने आई हैं।

सुझाव

उज्ज्वला योजना ने ग्रामीण एवं निम्न आय वर्ग की महिलाओं को रसोई गैस की सुविधा प्रदान कर उन्हें धुएं से राहत दिलाई है, जिससे उनका स्वास्थ्य सुधरा है और समय की बचत हुई है। हालांकि, इसके प्रभाव को और अधिक व्यापक एवं स्थायी बनाने के लिए कुछ सुझाव दिए जा सकते हैं:

1. **पुनः भराव पर सब्सिडी को स्थायी और सरल बनाना**: योजना के तहत पहली बार सिलेंडर मिलने के बाद उसकी रीफिलिंग की लागत कई बार महिलाओं के लिए बोझ बन जाती है। सब्सिडी की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और नियमित किया जाए ताकि महिलाएं गैस का लगातार उपयोग कर सकें।
2. **सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम चलाना**: ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी बहुत सी महिलाएं पारंपरिक ईंधन पर निर्भर हैं। उज्ज्वला योजना के लाभों को लेकर जागरूकता अभियान चलाना जरूरी है, जिससे महिलाएं इसके स्वास्थ्य और समय बचत संबंधी लाभ समझ सकें।
3. **स्थानीय स्तर पर गैस वितरण की उपलब्धता बढ़ाना**: कई गांवों में गैस एजेंसियाँ दूर होती हैं, जिससे रीफिलिंग कठिन हो जाती है। स्थानीय स्तर पर माइक्रो-डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर बनाए जाएं।
4. **महिलाओं को प्रशिक्षण एवं रोजगार से जोड़ना**: उज्ज्वला योजना से जुड़ी सप्लाई चेन जैसे वितरण, निरीक्षण, और जागरूकता कार्यक्रमों में महिलाओं को शामिल कर उन्हें स्वरोजगार के अवसर दिए जा सकते हैं।
5. **स्वास्थ्य पर प्रभावों का नियमित मूल्यांकन**: योजना के स्वास्थ्य प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए क्षेत्रीय सर्वेक्षण किए जाएं ताकि योजना के दीर्घकालिक लाभों की पुष्टि की जा सके और आवश्यक सुधार किए जा सकें।
6. **मिश्रित ऊर्जा समाधान पर ध्यान**: जहां गैस रीफिलिंग सस्ती न हो, वहां सरकार द्वारा बायोगैस, सोलर कुकर जैसे वैकल्पिक स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को भी बढ़ावा दिया जाना चाहिए।
7. **महिला स्वयं सहायता समूहों को जोड़ना**: उज्ज्वला योजना के लाभों के प्रचार-प्रसार और निगरानी में स्वयं सहायता समूहों की भागीदारी बढ़ाकर जमीनी स्तर पर प्रभाव को मजबूत किया जा सकता है।

निष्कर्ष

उज्ज्वला योजना महिलाओं के जीवन में एक क्रांतिकारी परिवर्तन का प्रतीक बनी है। इस योजना के माध्यम से न केवल महिलाओं को स्वच्छ और सुरक्षित ईंधन की सुविधा प्राप्त हुई, बल्कि उनके स्वास्थ्य, समय और सम्मान की भी रक्षा हुई है। परंपरागत चूल्हों से

निकलने वाले धुएँ से होने वाली बीमारियों में कमी आई है और महिलाएं अधिक समय शिक्षा, रोजगार और सामाजिक गतिविधियों में लगा पा रही हैं।

इसके अतिरिक्त, उज्ज्वला योजना ने महिलाओं को घर की चारदीवारी से बाहर निकलकर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक कदम बढ़ाने का अवसर दिया है। इससे महिला सशक्तिकरण को वास्तविक धरातल पर बल मिला है।

हालांकि, योजना की पूर्ण सफलता के लिए यह आवश्यक है कि सिलेंडर की रिफिलिंग सस्ती और सुलभ हो ताकि गरीब परिवार इसे नियमित रूप से उपयोग कर सकें। सतत निगरानी, जन-जागरूकता और सहायक नीतियों के माध्यम से इस योजना की पहुंच और प्रभाव को और मजबूत किया जा सकता है।

इस प्रकार, उज्ज्वला योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं प्रभावी पहल के रूप में स्थापित हुई है, जो भारत को एक समावेशी और समृद्ध समाज की ओर ले जाने में सहायक है।

उज्ज्वला योजना ने भारत की करोड़ों महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। इस योजना के माध्यम से न केवल उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ, बल्कि वे सामाजिक और आर्थिक रूप से भी अधिक सशक्त हुई हैं। हालांकि चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं, लेकिन उचित नीति और जागरूकता के माध्यम से उज्ज्वला योजना महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

REFERENCES

1. Sharma, Anjubala (2024) *Pradhan Mantri Ujjwala Yojana: An Assessment of Its Impact on Women Empowerment* यह शोध पत्र स्वास्थ्य सुधार, समय की बचत, आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक स्थिति में बदलाव जैसे पहलुओं का विश्लेषण करता है और निष्कर्ष में कहता है कि योजना ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने एवं घरेलू निर्णयों में भागीदारी का अवसर दिया है
2. **Yadav & Zaheer (2024)** *Fuelling Progress: A Study on Women's Access to Pradhan Mantri Ujjwala Yojana in Uttar Pradesh* यह अध्ययन उत्तर प्रदेश में PMUY के कार्यान्वयन, सामाजिक–आर्थिक प्रभाव और स्वास्थ्य परिणामों का विश्लेषण करता है और नीति निर्धारण के लिए सुझाव देता है
3. **Dalvi (May–June 2025)** *Women Empowerment through Managerial Skills: Impacts of PMUY Scheme* औरंगाबाद (महाराष्ट्र) में की गई इस सर्वेक्षण आधारित शोध से पता चलता है कि Ujjwala योजना ने महिलाओं की निर्णय लेने की क्षमता, बजट प्रबंधन और आत्मविश्वास में वृद्धि की है
4. Nabeel Asharaf & Richard S. J. Tol (2024)** *The Impact of Pradhan Mantri Ujjwala Yojana on Indian Households* (arXiv) यह अध्ययन राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS) डेटा का उपयोग करते हुए बताता है कि PMUY से ग्रामीण घरों में LPG उपयोग में औसतन 2.1% की वृद्धि हुई, लेकिन विभिन्न सामाजिक समूहों (जैसे अनुसूचित जातियों और जनजातियों) में प्रभाव में अंतर देखा गया